संकट के पल ही होते हैं उद्देश्यों को आकार देने वाले : प्रसाद

आईआईएम रायपुर के 13वें दीक्षांत समारोह में 639 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

नवभारत ब्यूरो। रायपुर।

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) रायपुर के 13वें दीक्षांत समारोह में मुख्यअतिथि डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज के को-चेयरमेन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर जीवी प्रसाद ने कहा कि वे नई विचारधारा, प्रतिरोधशीलता और निरंतर शिक्षा को ग्रहण करके दुनिया में कदम रख रहे हैं। चुनौतियों का सामना करें और समाज में सार्थक योगदान दें। सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देने वाली पहलों में सक्रिय भाग लें। जब संकट के पल उनके रास्ते में आए, तो वे घबराएं नहीं, हो सकता है शायद वे ही पल उनके उद्देश्य को आकार दें। प्रसाद ने कहा कि महत्वपूर्ण क्षण हमारी यात्रा में उद्देश्य की खोज और उसे आकार देने की ओर ले जाते हैं। समारोह में आईआईएम के 639 विद्यार्थियों को डिग्री मिली। इनमें 22 स्टूडेंट आउटबाउंड ग्रेजुएट, 298 पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम ग्रेजुएट, 184 ई-पीजीपी ग्रेजुएट, और 11 फेलो और एग्जीक्यूटिव फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स तथा 154 एलुमनाई थे। 7 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिया गया।

प्रबंधन शिक्षा तीन पहलुओं के लिए करती हैं तैयार : मुख्य अतिथि ने श्री प्रसाद ने कहा कि प्रबंधन शिक्षा आपको अपने कार्य जीवन के तीन पहलुओं के लिए तैयार करती है। यह आपको एक व्यापक दृष्टिकोण देती है, आपके विश्लेषणात्मक और महत्वपूर्ण सोचने के कौशल को विकसित करती है और आपको अपने जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है।

समाज के लिए कार्यों से सफलता का आकलन : डालमिया : शासी मंडल के अध्यक्ष पुनीत डालमिया ने कहा कि सफलता के मायने यह नहीं है कि आपने कौन सा पद हासिल किया है या कहां खड़े हैं बल्कि असली सफलता यह है आपने समाज के लिए क्या किया और अपने ज्ञान से दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाया। निदेशक प्रो. राम कुमार कांकाणी ने पिछले शैक्षिक वर्ष में आईआईएम की उपलब्धियों को साझा किया।

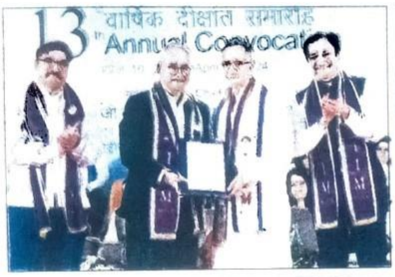

मुख्यअतिथि डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज के को-चेयरमेन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर जी.वी. प्रसाद ने स्टूडेंट को 5 मंत्र दिए। (1) महत्वपूर्ण क्षण हमारी यात्रा में उद्देश्य की खोज और उसे आकार देने की ओर ले जाते हैं। (2) सीखने के लिए उत्सुक रहें, क्योंकि इससे नए अवसर और विकास होता है। (3) किसी ऐसे संगठन से जुड़ें, जो अच्छाई की ओर ले जाएं। (4) जो दुनिया के लिए अच्छा है, वह आपके लिए भी अच्छा है। (5) अपने काम के अलावा और भी रुचियों पर ध्यान दें।

स्टूडेंट को मिले सफलता के पांच मंत्र

समारोह में इन्हें मिला स्वर्ण-पदक

समारोह में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) के छात्रों के बीच महालक्ष्मी षणमुगम ने शासी मंडल अध्यक्ष का स्वर्ण पदक, तन्वी बागोरा ने निदेशक का स्वर्ण पदक, रेवंत मधुर अग्रवाल ने पीजीपी अध्यक्ष का पदक और अर्जुन वासिल ने सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए पदक प्राप्त किया। कार्यकारी पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (ईपीजीपी बी2) के छात्रों में प्राची दीक्षित ने शासी मंडल अध्यक्ष का स्वर्ण पदक, ईशा भाटिया ने निदेशक का स्वर्ण पदक और नागेश मढ़वाल ने ईपीजीपी अध्यक्ष का स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

मातृ-पितृ व गुरु आभार समारोह : पहली बार, आईआईएम रायपुर ने माता-पिता और प्रोफेसरों के लिए आभार समारोह आयोजित किया। 'मातृ-पितृ और गुरु पूजन' हुआ। यह आयोजन सुबह से जारी रहा।

कोरोनाकाल वालों को भी डिग्री : समारोह में 124 अलुमनाई भी उपस्थित थे जिन्होंने बैच 2018-20 और 2019-21 से अपनी कोरोनाकाल में डिग्री ऑनलाइन प्राप्त की थी। कैंसर से जीत हासिल करने वाले छात्र के लिए तालियां बजीं।

Navbharat,11th April 2024, P.03,(My City)_page-0001